पूर्वांचल में स्टार्टअप को बीएचयू करेगा 'बूस्टअप'

देवव्रत त्रिवेदी, वाराणसी

बीएचयू पूर्वांचल में स्टार्टअप के जरिए नए प्रयोगों को बूस्टअप करने में जुट गया है। आइआइटी में वर्षों से संचालित मालवीय नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता संवर्द्धन केंद्र ने इस संबंध में पहल की है। स्टार्टअप को गति देने के लिए केंद्र ने जिलों के युवाओं से नए विचार मांगे हैं। इस केंद्र से छात्रों के नवीन प्रयोगों को रफ्तार देने को परामर्श संग संसाधन भी मुहैया कराया जा रहा है।

केंद्र प्रबंधक पारितोष त्रिपाठी ने बताया कि आइआइटी बीएचयू के संवर्द्धन केंद्र का मुख्य उद्देश्य योग्य युवाओं का पलायन रोक कर उन्हें राज्य की प्रगति में भागीदार बनाना है। छात्रों से आइडिया आमंत्रित कर उसका परीक्षण तथा उद्योग की कसौटी पर परख कर सहायता की जाती है। बताया कि पूर्वांचल में स्टार्टअप को बूस्टअप करने को 18 जिलों के करीब 173 संस्थानों के छात्रों से आइडिया मांगे गए हैं। विभागीय प्रमुख प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में प्रक्रिया को विस्तार देने के लिए 2016 में केंद्र के प्रारूप में परिवर्तन हुआ था।

बैंकों को दिखानी चाहिए दिलचस्पी

केंद्र प्रबंधक के अनुसार बैंकों को नए आइडिया को आगे बढ़ाने में दिलचस्पी दिखानी चाहिए। आर्थिक सहायता देने से पूर्व भूमि या अन्य चीजों को बंधक बनाने जैसे नियमों में ढील देनी चाहिए। उद्यमिता संवर्द्धन केंद्र में ब्रिजडॉट्स, यंग स्किल इंडिया, करपा आइटी सॉल्यूशंस, शुरुआ (आर)तु, एक्यूवियो, क्राफ्ट इंपोरियो, मैग्ज़हब, रोजहब तथा श्रीमाली जैसी स्टार्टअप कंपनियों को स्थान मिला है।

केस 1 : विज्ञान की सीख दे रहा रोजहब एडुटेनमेंट

आमतौर पर कठिन लगने वाले विद्यालय के सिलेबस को रोजहब एडुटेनमेंट यूट्यूब वीडियो व कार्यशाला के माध्यम से शिक्षण व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन लाने में जुटी है। संस्था को छतरपुर, मध्यप्रदेश के रामकेश पटेल व पश्चिम बंगाल के सागर दास ने शुरू किया था। आज इससे कुबेर तथा दीप्ती जैसे युवाओं ने जुड़कर कार्य आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। रामकेश ने बताया कि कंपनी ने छत्तीसगढ़ के 22 जिलों में कार्यशाला कर करीब 6000 शिक्षकों को शिक्षण के नए गुर सिखाए। इसी तरह प्रदेश में कई जिलों में कार्यक्रम आयोजन को सरकार से न्यौता मिला है।

Dainik Jagran – 20.08.2018